

ओपीडी सेवाएं

कोलकाता में एक चिकित्सक के साथ हुए दुष्कर्म व हत्या की घटना के बाद केंद्रीय कानून की मांग को लेकर प्रदेश के डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद अपनी हड़ताल वापस ले ली है जिसके बाद आज से प्रदेश के अस्पतालों में सामान्य ओपीडी शुरू हो गई है। शिमला में डॉक्टरों के संगठन सेमडीकॉट के अध्यक्ष डॉ. बलवीर वर्मा और महासचिव डॉक्टर पीयूष कपिला ने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद संगठन ने आज से मेडिकल कॉलेज व अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बहाल करने का निर्णय लिया है। हालांकि 22 अगस्त तक ड्यूटी टाइम के बाद सांकेतिक प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि उनकी मुख्य मांगों में वर्ष 2007 में बने मेडिपर्सन एक्ट को लागू करने और प्रदेश के करीब 1 हजार 200 मेडिकल प्रशिक्षु व रेजीडेंट डाक्टरों के लिए आवास की मांग मुख्य रूप से शामिल है। इसके अलावा डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों से दुर्व्यवहार या मारपीट करने पर सजा का प्रावधान भी मुख्य मांगों में शामिल है।

भू-स्खलन

बीती शाम राजधानी शिमला के एम एल क्रॉसिंग के पास बालूगंज सड़क मार्ग पर एक बार फिर भारी भू-स्खलन हुआ है। इस भू-स्खलन के चलते चौड़ा मैदान से बालूगंज सड़क मार्ग पर बनी वर्षाशालिका व सड़क का एक बड़ा हिस्सा क्रॉसिंग पर आ पहुंचा। गनीमत ये रही कि पुलिस की मुस्तैदी के चलते यहां पर किसी तरह का भी हादसा पेश नहीं आया और यहां से वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह से रोक दिया गया है। इस भू-स्खलन के चलते एम एल ए क्रॉसिंग से बालूगंज की ओर जाने वाले वाहनों को वाया चक्कर भेजा जा रहा है। जबकि बालूगंज से चौड़ा मैदान जाने वाले वाहनों को वाया समरहिल अपने गंतव्य तक भेजा जा रहा है। इस बीच इस भू-स्खलन को लेकर आज शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में एक आपातकालीन बैठक शिमला में होगी। बैठक में संबंधित अधिकारी और स्टेट जियोलोजिस्ट विशेष तौर पर मौजूद रहेंगे। इसके अलावा बैठक में भू-स्खलन की जद में आए हुए भवनों के अधिकारी भी शामिल होंगे। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि इस स्थान पर भारी भू-स्खलन होने से आसपास के क्षेत्रों में खतरा बना हुआ है और जब तक स्थिति सामान्य नहीं होती तब तक यातायात की वैकल्पिक व्यवस्था पहले की ही तरह रहेगी।

उन्होंने शहरवासियों से अपील की है कि सड़क बहाल होने तक वैकल्पिक व्यवस्था में पूरी तरह सहयोग करें।

वित्त-राष्ट्रीय सम्मेलन

राज्य और केंद्रीय माल व सेवाकर संगठन के राष्ट्रीय प्रवर्तन प्रमुखों के दूसरे सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में किया गया। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे एक विशेष अभियान

के परिदृश्य में इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन फर्जी पंजीकरणों की पहचान और छटनी करने के लिए किया गया था। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वित्त मंत्रालय में राजस्व विभाग के सचिव संजय मल्होत्रा ने इस विशेष अभियान के दौरान फर्जी पंजीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए केंद्र व राज्य जी एस टी गठन को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन गतिविधियों और व्यापार की सुगमता के बीच संतुलन महत्वपूर्ण है।

मौसम

प्रदेश में मॉनसून की वर्षा का क्रम रूक-रूककर जारी है। हालांकि राजधानी शिमला सहित राज्य के अधिकांश भागों में आज दिन की शुरुआत धूप के साथ हुई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान मौसम के सक्रिय बने रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने आज सुबह साढ़े 11 बजे तक राज्य के आठ जिलों बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला व सिरमौर में फलैश फलड की भी चेतावनी जारी की है। मॉनसून की सक्रियता के चलते अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य बना हुआ है।

और अब सुर्खियां समाचार पत्रों से-----

आज समाचार पत्रों ने अलग-अलग खबरों को प्रमुखता दी है। तबादलों से जुड़ी खबर पर अमर उजाला की सुर्खी है सीपी वर्मा बने राज्यपाल के सचिव, पंत वन और राकेश संभालेंगे ऊर्जा महकमा। दिव्य हिमाचल के शब्द हैं पंत फोरेस्ट, कंवर देखेंगे ऊर्जा, सुधा कार्मिक, जैन पीडब्ल्यूडी, राजेश शर्मा पंचायती राज सचिव। हिमाचल दस्तक के अनुसार 7 प्रशासनिक अधिकारियों के तबादला व तैनाती आदेश जारी।

पंजाब केसरी व आपका फैसला ने मुख्यमंत्री के हवाले से खबर को लगभग एक जैसा शीर्षक दिया है अध्यापकों के साथ विद्यार्थी भी विदेश में एक्सपोजर विजिट पर जाएंगे। दैनिक जागरण के शब्द हैं हमीरपुर समेत छह जिलों में स्थापित होंगी फोरेंसिक यूनिट।

पेपर लीक की खबर को दैनिक भास्कर ने शीर्षक दिया है एक लाख रूपए में खरीदा पेपर, 2 साल से बिजली बोर्ड में कर रहा नौकरी, दलाल समेत गिरफ्तार।

सरकार को झटका, 22 को नहीं होगा सोलन में मेयर का चुनाव अमर उजाला की एक खबर है। दैनिक जागरण के शब्द हैं उषा बनी रहेंगी सोलन नगर निगम की मेयर।

दिव्य हिमाचल की एक खबर है हाटी समुदाय को एस टी दर्जे पर 21 नवंबर तक टली सुनवाई।

अस्पतालों में आज से चलेगी सामान्य ओ पी डी खबर को भी आज अधिकतर अखबारों ने प्रमुखता दी है।
